Course: Regular B.A Part III (Hons)

Paper: - VI

Topic - Neo Freudians (Main contributions)

Prepared by: Prof (Dr.) Kamal Varma, Coordinator UG Psychology, N.O.U.

नव फ्रायडियन्स में कॉरेन हार्नी एरिक फ्रोम और हैरी स्टैक शुलिवन का नाम आता है, इनके प्रमुख योगदान का विवरण संक्षिप्त में प्रस्तुत है।

नव फ्रायडवादी मनोवैज्ञानिकों ने काफी समय तक मनोविश्लेषण के द्वारा किया करते थे, कुछ समय बाद इन्हें विकागो एक संभाषण (lecture) में जाना पड़ा वहाँ इन्होने मनोविश्लेषण एक नया दृष्टीकोण प्रस्तुत किया जिसे सामाजिक दृष्टीकोण (socio-logical viewpoint) से नाम से जाना जाता है

सन 1937 में चिंता Anxiety पर एक पुस्तक प्रकाशित हुई जिसमें मनः स्नायु विकृति के बारे में विस्तृत चर्चा की है, तथा इसके (neurosis) व्यक्तित्व के सांस्कृतिक तथ्यों (aspects) पर प्रभाव डाला है। इनके अनुसार जो एक सांस्कृतिक एवं सामाजिक परिस्थिति में मनः स्नायु विकृत है जरूरी नहीं कि दूसरे में भी है।

Scanned with CamScanner

मनः स्नायु विकृति के प्रमुख कारणों में —
- सहानुभूति की कमी (lack of sympathy)
- प्यार एवं स्नेह की कमी (lack of affection)
- असंतुष्टि (dissatisfaction).

मनः स्नायुविकृत व्यक्ति सामाजिक एवं संवेगना-त्मक रूप से असंतुष्ट तथा deprived होते हैं, प्यार एवं स्नेह पाने के लिए वे अस्वभा-विक तथा असामाजिक व्यवहार करते हैं, प्यार के मामले में बहुत Possessive होते हैं प्यार के मामले में। इन्होंने एक दूसरी पुस्तक New ways to Psychoanalysis ("मनोविश्लेषण की नई संभा-वनाएँ") जिसका मुख्य आधार सांस्कृतिक तत्व हैं।

oedipus complex की संकल्पना सही नहीं है। इनकी तीसरी किताब 1945 में प्रकाशित हुई "our inner conflict" (हमारे आंत-रिक संघर्ष)

हमारे आंतरिक संघर्ष के आधार सामाजिक और सांस्कृति होते हैं जिन्हें प्रत्येक व्यक्ति अपनी-अपनी तरफ से समाधान करता है जिसे इन्होंने तीन प्रकार के व्यक्ति होते हैं —

व्यक्ति के प्रकार
Type of Person
→ compliant type
→ Aggressive type
→ Detached type.

Scanned with CamScanner

इन्होंने मानसिक रोगियों की चिकित्सा में अहं तथा पराअहं (Ego & Super ego) का ईड (Id) की तुलना में ज्यादा महत्व है।

अगर इरिक फ्रोम की बात की जाय तो इन्होंने मनोविज्ञान की चिकित्सा पद्धति में नई विचारधारा को प्रस्तुत किया। इन्होंने मनोविश्लेषण का प्रशिक्षण बर्लिन से प्राप्त किया।

इन्होंने अपना शोधकार्य (Research work) 1926 में शुरू किया। बाद में इन्होंने इसका प्रकाशन एक पुस्तक में "Escape from freedom" में किया। इस पुस्तक में इन्होंने चिकित्सा पद्धति में सामाजिक तत्वों का प्रभाव दिखलाया।

फ्रोम के अनुसार अभियोजन (Adjustment) की प्रक्रिया सिर्फ वातावरण पर ही निर्भर नहीं करता है बल्कि उसके सांस्कृतिक परिवेश तथा अधिगम (learning) पर निर्भर करता है, व्यक्तित्व के प्रकार पर ही नहीं।

जहाँ तक सम्बन्ध (Relationship) की बात होती है उसका सम्बन्ध हमारे मानसिक स्वास्थ्य (Mental Health) पर निर्भर करता है,

जीवन के अन्य महत्वपूर्ण पहलू जो व्यक्ति के व्यवहार को प्रभावित करते हैं।-

Scanned with CamScanner

(Love) प्रेम, (affection) स्नेह, Motoractivities शारीरिक (क्रियात्मक) अभिव्यक्तियाँ तथा (Thinking) चिन्तन प्रक्रिया है।

फ्रोम ने मानवतावादी तत्वों (Humanitarian aspects) पर विशेष प्रकाश डालते हुए विकसित किया है, एक व्यक्ति को सम्पूर्ण रूप से विकसित करने के लिए धर्म (Religion) भी बहुत महत्वपूर्ण होता है।

अभियोजन (Adjustment) किसी भी व्यक्ति की वो सम्पूर्ण प्रक्रिया है जिसमें (social) सामाजिक (economical) आर्थिक (Political) राजनीतिक परिस्थितियाँ होती हैं, समाजीकरण (socialization) की प्रक्रिया में पहचान (identifical) सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण है।

इन्होंने इन प्रत्ययों (concepts) का वर्णन किया है –

- Escapism (पलायन)
- स्वयपीड़न (Machochism)
- परपीड़ा (sadeism)
- विध्वंसात्मकता (Distructiveness)
- अनुरूपता (conformity)

इन्होंने व्यक्तित्व एवं चरित्र (Personality & character)

चरित्र में दो तत्वों का वर्णन है.

Character चरित्र
- Social.
  - → socialization
  - → identification.
- Personal?
  - → Loyalty
  - → Authority
  - → Assertiveness
  - → Fairness.

सुलिवन ने फ्रायड से ज्यादा प्रभावित नहीं हुए थे तथा उनके प्रत्ययों का इस्तेमाल नहीं किया। इन्होंने अन्तर्व्यक्तिगत सम्बन्धों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह तब प्रभावित होती जब बचपन के सम्बन्ध (Childrelation) दूसरों को प्रभावित करते हैं।

~~व्यवहार~~ व्यवहार के मुख्य दो उद्देश्य होते हैं।
- → security (सुरक्षा)
- → Satisfaction (संतुष्टी)

व्यक्तित्व के विकास में निम्नलिखित पाँच तत्व होते हैं —

1. Infancy (शैशवावस्था)
2. childhood (बाल्यावस्था)
3. Puberty (किशोरावस्था)
4. Preadolescent (पूर्व किशोरावस्था
5. Adult (~~वयस्क~~) (प्रारम्भिक किशोरावस्था)

Scanned with CamScanner

इन्होंने अनुभव (Experience) को भी विस्तृत व्याख्या हुई है —

1. Prototoxic (मूल अनुभव)
2. Parataxic (व्यक्तिगत)
3. Syntaxic (सामाजिक)
4. dynamism. (गत्यात्मकता)

इन्होंने फ्रायड के लिबिडो (Libido) को भी नहीं स्वीकारा। इस जगह पर इन्होंने गत्यात्मकता (dynamism) को प्रयोग में लाया।

इस प्रकार इस नवीन विश्लेषण की पद्धतियों में पुराने प्रत्ययों (old concepts) की जगह पर नए प्रत्ययों को जन्म दिया एवं उनका प्रयोग किया।

K. Ver
18.06.2019.

18.06.2019.

18/6/19

Scanned with CamScanner